



## ११. दादा का सुदर्शन

दादा का सुदर्शन दुनिया को दीखा देंगे  
ज्ञानांकित वचनों से, सोये को जगा देंगे

आमूल परिवर्तन जीवनका साफल्य  
तन मन धन से "अहिंसा", व्यवहारमें समभाव्य

"निश्चय" में शुद्धात्मा, सत्संग जमा देंगे  
नफरत की बदियों को मुहब्बतसे जला देंगे.... दादा का

जग "सत्य" असत्यो से आग्रह से चढता झेर  
केवल "सत्" लक्षांकी संयम से घटा दे बैर

समता से समझाता, विज्ञान सीखा देंगे  
श्रद्धा की अंजलि से, प्रीत सागर पी लेंगे.... दादा का

काया का "परिग्रह" से, लक्ष्मीविषयों की भूख  
दुःखद परिणाम अज्ञान, आत्मा का गुण है सुख

"परिग्रह" की तपस्या "ज्ञेय" खुद ज्ञाता देखेंगे  
मुक्ति विश्वासी को नयी राह चला देंगे.... दादा का

नुकशान बडा भारी, "चोरी" की निर्यत से  
"अ-चौर्य" से नीडरता, निर्भय हो तबियत से

आदत - मजबूरीमें, शुभ भाव प्रगट करले,  
भीतर के कचरे को हम खुद ही जला देंगे.... दादा का

"अन्नह्यचर्य" से ताकात की हानि है  
पुद्गल पाचनका सार, आनंद प्रदानी है

अणुन्नत महान्नतमें नोर्मल बन सर्वांगे  
अमृतकृंभा पी कर मर के भी जी लेंगे.... दादा का

